Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-412

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019
B.A. with Yoga Science, (Semester : Fourth)
Sanskrit (Paper : Second)
संस्कृत–साहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहसत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चन्द्रालोक के अनुसार गुणों का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
2. रघुवंश द्वितीय सर्ग के अनुसार दिलीप की गो-सेवा का वर्णन कीजिए।
3. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" के अनुसार शकुन्तला के विदाई का चित्र प्रस्तुत कीजिए।
4. द्वासुपर्णा के अनुसार सुदामा का चरित्र लिखिए।
5. श्रीमद्भगवद्गीता का सार (द्वितीय अध्याय) लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. अक्षर संहति का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
2. रघुवंश के द्वितीय सर्ग के अनुसार दिलीप के वनगमन का वर्णन कीजिए।
3. अधोलिखित श्लोक का अर्थ लिखिए –
   ययातेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।
   पुत्र त्वमपि समाजं सेव पुरुमवाप्नुहि।।
4. अधोलिखत श्लोक का अर्थ लिखिए –
   स्थितः स्थितामुच्चलितः प्रयातां निषेदुषीमासनबन्धधीरः।
   जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत्।।
5. द्वा सुपर्णा के अनुसार बलराम के जीवन चरित को संक्षेप में लिखिए।
6. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. गुणों का वर्णन चन्द्रालोक के किस मयूख में है ?
   (अ) तृतीय में (ब) चतुर्थ में
   (स) द्वितीय में (द) प्रथम में
2. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में कितने अंक हैं ?
   (अ) सात (ब) आठ
   (स) छः (द) चार
3. द्वासुपर्णा किसकी रचना है ?
   (अ) कालिदास की (ब) राम जी उपाध्याय की
   (स) भवभूति की (द) बाणभट्ट की
4. चन्द्रालोक में गुणों की संख्या है .....
   (अ) 10 (ब) 8
   (स) 05 (द) 7
5. रघुवंश के द्वितीय सर्ग का मुख्य विषय है .....
   (अ) राज सेवा (ब) पितृ सेवा
   (स) मातृ सेवा (द) गो सेवा
6. द्वासुपर्णा का अर्थ है .....
   (अ) दो पक्षी (ब) दो हंस
   (स) दो पशु (द) दो मनुष्य
7. शकुन्तला की सखी का नाम है .....
   (अ) अनसूया (ब) अवन्तिका
   (स) तारा (द) सीता
8. चन्द्रालोक का अर्थ है .....
   (अ) चन्द्रमा का प्रकाश (ब) सूर्य का प्रकाश
   (स) विद्युत् का प्रकाश (द) इनमें से कोई नहीं
9. 'परभृत' शब्द का अर्थ है .....
   (अ) मेढ़क (ब) कोयल
   (स) कौआ (द) हंस
10. अभिज्ञानशाकुन्तलम् का नायक है .....
   (अ) दुष्यन्त (ब) उदयन
   (स) अर्जुन (द) भीम

----------x----------